तन तो मंदिर है

तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन,
वृन्दावन में है बसे, राधिका कृष्ण,
तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन॥

हरे कृष्णा, हरे कृष्णा
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा

प्रेम ही तो तीर्थ है, प्रेम धर्म है,
प्रेम ही है अर्चना, प्रेम कर्म है,
प्रेम ही प्रभु का नाम, प्रेम ही भजन,
तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन॥

हरे कृष्णा, हरे कृष्णा
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा

कामना को त्याग, भक्ति राह पे तू चल,
वासना में क्यूँ जले, आरती सा जल,
आत्मा मरे नहीं, तन का हो निधन,
तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन॥

हरे कृष्णा, हरे कृष्णा
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा

जग तो अंधकार है, इससे तू निकल,
ज्ञान का प्रकाश कर, मूढ तू संभल,
राधा कृष्ण के चरण में, नित्य कर नमन,
तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन॥

वृन्दावन में है बसे, राधिका कृष्ण,
तन तो मंदिर है, हृदय है वृन्दावन॥

हरे कृष्णा, हरे कृष्णा
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24192/title/tan-to-mandir-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |